Literacy for a Billion

Movie: Dil Ne Phir Yaad Kiya 2001
Year: 2001

Song: Ye Mousam Keh Raha Hai
Lyricist: Sameer

हे आ हा हा
हे हे

हे हे हे
आ हा हा

ये मौसम
हे हे
ये मौसम
कह रहा है
चल साथ चल
ये जवाँ जवाँ समाँ
ये फ़िज़ाएँ ए दिल ज़रा सँभल

ये जवाँ जवाँ समाँ
ये फ़िज़ाएँ ए दिल ज़रा सँभल

ये मौसम
हे हे
ये मौसम
कह रहा है
चल साथ चल
ये जवाँ जवाँ समाँ
ये फ़िज़ाएँ ए दिल ज़रा सँभल

ये जवाँ जवाँ समाँ
ये फ़िज़ाएँ ए दिल ज़रा सँभल

ये मौसम

ये मौसम

भँवरों ने कलियों का घूँघट उठाया
भँवरों ने कलियों का घूँघट उठाया
गुलशन महकने लगा
खुशबू ने ऐसा फ़साना सुनाया
खुशबू ने ऐसा फ़साना सुनाया
मैं भी बहकने लगा

वादी दुल्हन जैसी सजी
छुपके कहीं शहनाई बजी
ये नया नया नशा छा रहा है
ए दिल ज़रा सँभल

ये नया नया नशा छा रहा है
ए दिल ज़रा सँभल

ये मौसम
ये मौसम

पगली बनी ये दीवानी हवाएँ
पगली बनी ये दीवानी हवाएँ
लहरों ने की छेड़खानी

कहता है मुझसे ठहर जा तू पल भर
कहता है मुझसे ठहर जा तू पल भर
ठहरा ये झरनों का पानी

कितने हसीं हैं ये सिलसिले

वो आसमाँ से धरती मिले
मेरा चैन क्यों भला जा रहा है
ए दिल ज़रा सँभल

मेरा चैन क्यों भला जा रहा है
ए दिल ज़रा सँभल

ये मौसम
ये मौसम
कह रहा है
चल साथ चल
ये जवाँ जवाँ समाँ
ये फ़िज़ाएँ ए दिल ज़रा सँभल

ये जवाँ जवाँ समाँ
ये फ़िज़ाएँ ए दिल ज़रा सँभल
ए दिल ज़रा सँभल
ए दिल ज़रा सँभल

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.